Lecture Series -

"Transformative Change - Sustainable Outcome"

असरदार परिवर्तन - टिकाऊ परिणाम

Lecture on **"Media and Environment"**

Shri Abhilash Khandekar, Senior Correspondent

7th Dec. 2019

'Media plays important role in making people aware towards environment'

Lecture series on 'Transformative Change-Sustainable Outcomes' at AIGGPA

■ Staff Reporter

THE role of media is important in making people aware of the environment. Senior journalist Abhilash Khandekar said this while expressing his views on 'Media and Environment' in the 'Transformative Change-Sustainable Outcomes' lecture series at the Atal Behari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis (AIGGPA).

Khandekar said that to some extent the media is working in the field of environmental protection, but it needs to be made more effective. He said that the media is constantly drawing people's attention towards river conservation, wildlife, bio-diversity and water conservation.

Atal Behari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis (AIGGPA) Director General R Parshuram addressing in the lecture series on 'Transformative Change-Sustainable Outcomes' on Saturday.

Director General of the institute, R Parshuram said that from the Silent Valley of Kerala to the Chipko and Narmada Bachao Andolan, the media has played an important role in building consensus among the citizens. He said that the media can easily put environmental problems before the society. Principal Advisors Girish Sharma and Mangesh Tyagi besides the institute's staff were present in the lecture series.

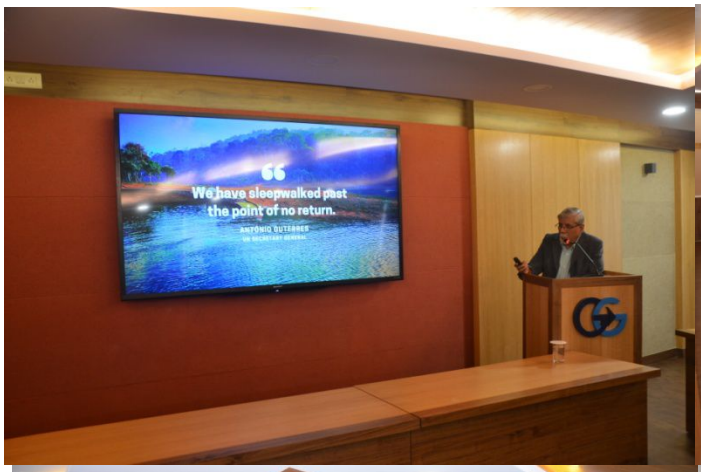

पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में मीडिया महत्वपूर्ण

एआईजीजीपीए में असरदार परिवर्तन–टिकाऊ परिणाम पर व्याख्यान माला

भोपाल, 7 दिसम्बर. पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है. अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन–टिकाऊ परिणाम में मीडिया और पर्यावरण विषय पर विचार करते हुए वरिष्ठ पत्रकार की अभिलाष खाण्डेकर ने यह बात कही.

खाण्डेकर ने कहा कि कुछ हद तक तो मीडिया पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, लेकिन इसको और प्रभावी बनाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि कई समाचार पत्रों में पर्यावरण से संबंधित खबरों के लिये अलग से संवाददाता नहीं होते हैं. खाण्डेकर ने कहा कि मीडिया लगातार नदी संरक्षण, वाइल्ड लाइफ, बायोडायवर्सिटी और जल संरक्षण की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है.

संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने कहा कि केरल की साइलेंट वैली से लेकर चिपको और नर्मदा बचाओ आंदोलन में नागरिकों में आम सहमति बनाने में मीडिया का अहम रोल रहा है. उन्होंने कहा कि मीडिया पर्यावरण संबंधित समस्याओं को आसानी से समाज के सामने रख सकता है.

व्याख्यान माला में प्रमुख सलाहकार गिरीश शर्मा और मंगेश त्यागी सहित संस्थान का स्टाफ उपस्थित था.

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने व्याख्यान माला अरदार परिवर्तन–टिकाऊ परिणाम को संबोधित किया.